SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I associate myself with her special mention.

SHRI K.B. KRISHNA MURTHY (Karnataka): Sir, I also associate myself with her Special Mention.

Demand to improve the working of the Radio Therapy Department of Safdarjung Hospital, New Delhi

श्री नंदी येल्लैया (आन्ध्र प्रदेश): उपसभापति महोदय, दिल्ली के सफरदरजंग अस्पताल के रेडियो थेरेपी विभाग में कैंसर मरीजों के इलाज में बेहद लापरवाही बरती जा रही है। एक एन॰जी॰ओ॰ "चेतना" ने इस बारे में महामहिम राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री जी को भी पत्र लिखा है।

इस विभाग में कैंसर के इलाज में काम आने वाली एकमात्र टेलीकोबाल्ट रेडियेशन मशीन भी पन्द्रह साल पुरानी है। इसमें रेडियेशन डोज और पेस मेकर ए॰एस॰ डोजीमीटर तक नहीं है। इसके अलावा जैसा कि एनर्जी रेगुलेटरी कौंसिल ने पाया है, इसक विभाग में ट्रैंड स्टाफ की भी कमी है।

इस विभाग की खस्ता हालत को देखते हुए एटोमिक एनर्जी डिपार्टमेंट ने इसे सितम्बर 2003 में चेतावनी दी थी कि यदि इस विभाग के कामकाज में सुधार नहीं हुआ, तो इसे बंद कर दिया जाएगा लेकिन बिना किसी सुधार के यह विभाग तब से करीब 40 हजार कैंसर रोगियों का आधा अधूरा इलाज कर चुका है और तो और दबाव डाले जाने पर इस विभाग की साल 2002 की जो रेडियेशन सेफ्टी रिपोर्ट एटोमिक एनर्जी डिपार्टमेंट को भेजी गई थी, वह भी सर्वे में गलत पाई गई थी।

इसलिए इन सब बातों को ध्यान में रखकर मेरा स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध है कि वे सफदरजंग अस्पताल के रेडियो थेरेपी विभाग की हालत और कामकाज के तरीकों में सुधार करने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाएं। धन्यवाद।

श्री रामाधार कश्यप (छत्तीसगढ़): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आप को संबद्ध करता हूं।

Demand to fill up vacant members of the general body of Maulana Azad Education Foundation

†मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, में आपके माध्यम से इस हाउस की और मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस की तवज्जो मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउण्डेशन को दर पेश मसाइल की तरफ दिलाना चाहता हूं। यह फाउण्डेशन तालीमी एतबार से पिछड़ी हुई माइनॉरिटीज़ के लिए खास तौर पर और कमज़ोर तबकों के लिए आम तौर पर तालीमी स्कीमें बनाती और उन्हें लागू करती है। 24 मई, 2004 को इस फाउण्डेशन की जनरल बॉडी के 15 में से 7 मेम्बर्स की टर्म खत्म हो गई थी। लेकिन तकरीबन एक साल गुज़र जाने के बावजूद उन 7 खाली जगहों पर नये मेम्बर्स अब तक नामज़द नहीं किए गए हैं, जिसकी वजह से पिछले एक साल से फाउण्डेशन का काम ठप्प पड़ा है। फाउण्डेशन के कॉन्स्टीट्यूशन के मुताबिक हर दो महीने में उसकी एक मीटिंग होना लाज़मी है, लेकिन पूरे मेम्बर नहीं होने की वजह से कोई मीटिंग नहीं हो पाई है। पिछले माली साल में

†Transliteration in Urdu Script.

फाउण्डेशन का मिनिस्ट्री ने कोई फण्ड भी जारी नहीं किया है। इसलिए मेरा मुतालबा है कि (1) मौलाना आज़ाद ऐजुकशन फाउंडेशन की जनरल बॉडी में खाली जगहों पर फौरन नए मैम्बरान नामजद किए जाएं और इस बात को यक़ीनी बनाया जाए कि दस्तूर के मुताबिक दो महीने में उसकी जनरल बॉडी की कम से कम एक मीटिंग जरूर हो। (2) फाउंडेशन के पास 70 करोड़ रुपए का कार्पस फंड है। रेट ऑफ इंटरस्ट कम हो जाने की वजह से उसकी इनकम काफी मुतस्सिर हुई है और यह फंड उसकी स्कीमों को चलाने के लिए नाकाफी हो गया है इसलिए मेरा मुतालबा है कि फाउंडेशन को 200 करोड़ रुपए दिए जाएं ताकि इसके मकासिद की तकमील हो सके। शुक्रिया।

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی "مدھیہ پردیش" : اُپ سبھاپتی مہودے، میں آپ کے مادھیم سے اس ہاؤس کی اور منسٹری آف سوشل جسٹس کی توجہ مولانا آزاد ایجوکیشن فاؤنڈیشن کو درپیش مسائل کی طرف دلانا چاہتا ہوں۔

یہ فاؤنڈیشن تعلیمی اعتبار سے پچھڑی ہوئی مائنارٹیز کے لیے خاص طور پر، اور کمزور طبقوں کے لیے عام طور پر تعلیمی اسکیمیں بناتی اور انہیں لاگو کرتی ہے۔ 24 مئی 2004 کو اس فاؤنڈیشن کی جنرل باڈی کے 15 میں سے 7 ممبرز کی Term ختم ہوگئی تھی۔ لیکن تقریباً ایک سال گزر جانے کے باوجود ان سات خالی جگہوں پر نئے ممبر اب تک نامزد نہیں کیے گئے ہیں، جس کی وجہ سے پچھلے ایک سال سے فاؤنڈیشن کا کام ٹھپ پڑا ہوا ہے۔ فاؤنڈیشن کے کانسٹی ٹیوشن کے مطابق ہر دو مہینے میں اس کی ایک میٹنگ ہونا لازمی ہے لیکن پورے ممبر نہیں ہونے کی وجہ سے کوئی میٹنگ نہیں ہو پائی ہے۔ پچھلے مالی سال میں فاؤنڈیشن کا منسٹری نے کوئی فنڈ بھی جاری نہیں کیا ہے۔ اس لئے میرا مطالبہ ہے کہ ...

مولانا آزاد ایجوکیشن فاؤنڈیشن کی جنرل باڈی میں خالی جگہوں پر فوراً نئے ممبران نامزد کیے جائیں (۱) اس بات کو یقینی بنایا جائے کہ دستور کے مطابق دو ماہ میں اس کی جنرل باڈی کی کم سے کم ایک میٹنگ ضرور ہو۔

۲۔ فاؤنڈیشن کے پاس ۷۰ کروڑ روپے کا کارپس فنڈ ہے۔ ریٹ آف انٹرسٹ کم ہو جانے کی وجہ سے اس کی انکم کافی متاثر ہوئی ہے اور یہ فنڈ اس کی اسکیموں کو چلائے جانے کے لئے ناکافی ہو گیا ہے۔ اس لئے میرا مطالبہ یہ ہے کہ فاؤنڈیشن کو ۲۰۰ کروڑ روپے دئے جائیں تاکہ اس کے مقاصد کی تکمیل ہو سکے۔ شکریہ۔]

[1] श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश) . महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को सबद्ध करता

‡[شری ابو عاصم اعظمی: مہودے، میں مانیئے سدسیئے سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔]

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

Need for setting up a Supreme Court Bench at Bangalore in Karnataka

SHRI K.B. KRISHNA MURTHY (Karnataka): Sir, I have a request to make. The Special Mentions are not being replied to.

Sir, my Special Mention relates to the setting up of a Supreme Court Bench in Bangalore.

The litigant public of the Southern States and, particularly, from Karnataka, have been put to great hardships in approaching the highest court in the country, that is, the Supreme Court, for final justice in various cases. It is difficult for the litigant public to go to New Delhi several times to pursue their cases. A large number of appeal cases are filed year after year from the Southern States. In order to provide justice at the doors of the common man, it is necessary to set up a Bench of the Supreme Court in Bangalore. Bangalore has got all infrastructure facilities and it is the IT capital of the country. Therfore, I request the Government of India to set up a Bench of the Supreme Court in Bangalore. Thank you.

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, I associate myself with what Shri K.B. Krishna Murthy has stated.

Concern over the discharge of effluents in the Bagad River Jyotiba Phule Nagar of Uttar Pradesh by a Chemical Factory

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश): धन्यवाद, उपसभापति महोदय। उत्तर प्रदेश के ज्योतिबा फुले नगर जिले में स्थित गजरौला कस्बे में एक कैमिकल उद्योग का संयत्र है। इस संयंत्र के पास से होकर बगद नदी बहती है। इस उद्योग का जहरीला स्राव इसी बगद नदी में गिराया जा रहा है। कारखाने से निकलने वाला डिस्चार्ज इतना जहरीला है कि इससे बगद नदी का जल तो जहरीला हो ही गया है, नदी के किनारे आने वाले संभल लोक सभा क्षेत्र के दो विधान सभा क्षेत्र, गंगेश्वरी एवं गुन्नौर के 120 गांवों में पीने का पानी भी जहरीला हो गया है। नलों एवं कुओं का पानी पांच मिनट रखने के बाद पीला हो जाता है जिससे व्यक्तियों में बीमारियां फैल रही हैं, बच्चे गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, पशुओं में तमाम रोग पैदा हो रहे हैं तथा खेत कृषि योग्य नहीं रह गए हैं। बगद नदी को पार करके जो किसान अपने खेतों तक जाते हैं, वे गंभीर चर्म रोग से पीड़ित हो जाते हैं। इस प्रकार जनता के सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है।

अत: मेरी मांग है कि उक्त संयंत्र का लाइसेंस निरस्त करके उसे तत्काल बंद करने, गांवों में पानी उपलब्ध कराने तथा बगद नदी पर लगभग बीस स्थानों पर नदी के विषैले पानी से जनता को